an>

Title: Regarding non-payment of compensation to the farmers in Uttar Pradesh.

श्री भरत सिंह (बलिया) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे शून्यकाल में बोलने का मौका दिया है।

माननीय अध्यक्ष : आपकी सीट कहां है? आपको यहां से बोलने के लिए अनुमति लेनी चाहिए।

श्री भरत सिंह: अध्यक्ष महोदया, मेरी सीट पीछे है। आप कृपया मुझे यहां से बोलने की अनुमति प्रदान करें।

महोदया, उत्तर प्रदेश के पूर्वी इलाके में बेमौसम बारिश से किसानों का बहुत नुकसान हुआ है। लगातार तीन महीनों से बेमौसम बारिश हो रही है। ओलावृष्टि से बलिया लोकसभा क्षेत्र विशेषकर बलिया, गाजीपुर, सलेमपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों की साठ परसेंट खेती ही नहीं बल्कि 70, 80, 90 परसेंट तक फसल बर्बाद हुई है।

अध्यक्ष जी, बहुत भाग्य से हमें शून्यकाल में बोलने का मौका मिलता है इसलिए मुझे अपनी बात कहने का पूरा मौका दीजिए। हमारे यहां प्याज की बहुत खेती होती है। सीरिया, रऊआं, पिनावीं, पुयर, निरुपद, बलौरी, मझौऊंआ आदि गांवों के किसानों की फसल पूरी तरह से बर्बाद हुई है। उनकी तिलहन, मसर, चने आदि फसलें बर्बाद हुई हैं। मैं कहना चाहता हूं कि भारत सरकार ने श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दैवीय आपदा का मानक बदल दिया है और पचास परसेंट की जगह अगर 33 परसेंट नुकसान भी अगर होता है तो भी दैवीय आपदा में काउंट करने की बात कही है। इसके बावजूद भारत सरकार अन्य तरीकों से भी भरपूर सहायता दे रही है। भारत सरकार द्वारा खुले दिल से राहत देने की घोषणा के बावजूद भी उत्तर प्रदेश की समाजवादी पार्टी की सरकार, अखिलेश यादव की सरकार पक्षपातपूर्ण तरीके से सौ रुपया, दो सौ रुपया, पांच सौ रुपया का चैक दे रही है। बलिया के बारे में बताना चाहता हूं कि बैरिया तहसील में, मोहम्मदाबाद तहसील में किसानों के बहुत नुकसान के बावजूद चैक वितरित नहीं किए गए।

महोदया, मैं निवेदन करना चाहता हूं कि हमारे गृह मंत्री जी, कृषि मंत्री जी ने इस बारे में उचित कदम उठाए हैं। मैं चाहता हूं कि इस विषय की जांच कराई जाए और माननीय गृह मंत्री जी या माननीय संसदीय कार्य राज्य मंत्री जी इस बारे में स्वयं आश्वासन दें।

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : अध्यक्ष महोदया, मैं अपने को श्री भरत सिंह द्वारा उठाए मुद्दे से संबद्ध करना चाहता हूं।